सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 95 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 9 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बिना न्याय के ज्ञान को बुद्धिमानी नहीं चालाकी कहा जाना चाहिए।

-प्लेटो

भारत-पाक के तनाव के बीच आईपीएल... 7 | बिहार विस चुनाव, दिखने लगा सियासी... 3 | यूपी में विकास की जगह विनाश... 2

भारत का कहर पाकिस्तान तहस-नहस

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने एक तिहाई बलूचिस्तान पर किया कब्जा

- मुसीबतें कभी अकेले नहीं आतीं
- सरकारी आदेश के बाद एक्स का फैसला, भारत में आठ हजार से अधिक अकाउंट होंगे ब्लॉक
- पाकिस्तान से तनाव के बीच अखिलेश यादव ने की लोगों से एकजुटता की अपील
- बंगाल-पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच सीएम ममता बनर्जी ने बुलाई कैबिनेट बैठक
- 24 हवाई अड्डे बंद एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का क़हर केवल सैन्य विजय नहीं है बल्कि यह रणनीतिक दृढ़ता, कूटनीतिक सफलता, आंतरिक स्थिरता और वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। भारत लंबे समय से पाकिस्तान के बार-बार की उकसावे की नीति के बावजूद अपने संयम और शक्ति का संतुलन दिखाता चला आ रहा था। लेकिन इस बार पाक ने हद खत्म की तो भारत ने जवाब दिया।

भारत का जवाब पूरे विश्व ने देखा और सराहा। भारत की एयर स्ट्राइक ने पाक के आतंकवादी कैंप का खात्मा कर दिया वहीं अब वहां क्या हो रहा है पूरा विश्व देख रहा है। भारत के डिफेंस सिस्टम का भी दुनिया ने लोहा माना और पाक के अटैक को विफल किया। भारत अलर्ट मोड में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है और दुश्मन के किसी भी हमले को विफल करने की ताकत रखता है। एहतियात के तौर पर बहुत से एयरपोर्ट को बंद किया गया है। उड़ानों को रदद किया गया है। आईपीएल को भी स्थागित कर दिया गया है ताकि किसी विपरीत परिस्थितियों में जान—माल का नुकसान न हो।

एक्स ने बंद किये एकाउंट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत में आठ हजार अकाउंटों को ब्लॉक करना शुरू कर दिया है। एक्स ने कहा कि उसे भारत सरकार से इसे लेकर आदेश मिला है। जिसमें आठ हजार से अधिक अकाउंट को ब्लॉक करने की आवश्यकता बताई गई है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। पाकिस्तान लगातार फेक खबरों के माध्यम से प्रॉपेगेंडा फैला रहा है।

यूपी में बढ़ाई गयी सुरक्षा व्यवस्था

- उत्तर प्रदेश की सीमा में रेड अलर्ट, वाराणसी अयोध्या में प्रमुख स्थलों पर बढ़ाई गई सुरक्षा

किसी भी हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए यूपी तैयार है, यूपी मुस्तैद है और यूपी पुलिस एक्टिव है। वैसे तो उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में विशेष मुस्तैदी बरती जा रही है। लेकिन संवेदनशील जनपदों में सुरक्षा व्यवस्था को पहले से ज्यादा चाकचौबंद मोड में रखा जा रहा है। मेरठ, वाराणसी, अयोध्या, आगरा, लखनउ आदि जनपदों में मॉक ड्रिल के बाद विशेष पहरा व्यवस्था की जा रही है। यूपी पुलिस के जवान पेट्रोलिंग कर रहे हैं। सीमा पर तनाव और गोलाबारी के बीच पूरे उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी है। इसी कड़ी में वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी पूरी तरफ मुस्तैद हैं। काशी विश्वनाथ जी मंदिर, गोदौलिया, कैण्ट रेलवे स्टेशन, रोडवेज, सिटी स्टेशन, गोलगड्डा समेत सम्पूर्ण वाराणसी कमिश्नरेट में पेट्रोलिंग हो रही है।

बलूचिस्तान से पाक सेना चौकी छोड़ भागी

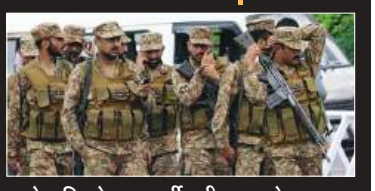

बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बलूचिस्तान पर कब्जा कर लिया है। बीएलए ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना अपनी चौकी छोड़कर भाग चुकी है। बीएलए ने अफगानिस्तान-ईरान से सटे हिस्से पर कब्जे का दावा किया है। इसी बीच पाकिस्तान के कई इलाकों में इमरजेंसी जैसे हालात बने हुए हैं। लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी गई। बलोच लिबरेशन आर्मी ने बयान जारी कर कहा है कि उसने मस्तूंग और लाखी में पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगियों पर छह अलग-अलग हमले किए। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना, उसके खुफिया और कम्युनिकेशन टॉवर को निशाना बनाकर रिमोट कंट्रोल आईईडी से और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमले किए।

- राजस्थान के मुख्यमंत्री ने की हाई लेवल मीटिंग, सभी राजकीय कर्मियों की छुट्टियां रद्द करने का निर्देश

किसी भी बहकावे में न आएं देश के लोग

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद ने लोगों से एकजुटता निभाने और किसी भी अपुष्ट खबर पर विश्वास नहीं करने की सलाह दी है। भारतीय सेना की तारीफ करते हुए अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि हमें अपने देश की बहादुर सेना पर गर्व है। हम सब देश के साथ हैं। संकट के समय में समझदारी और भी जरूरी है। सभी देशवासियों से अपील है कि किसी भी अपुष्ट समाचार और सूचना पर न तो विश्वास करें न ही आगे प्रचारित और प्रसारित करें। ऐसे समाचार देश के दुश्मनों के द्वारा फैलाए गए झूठ भी हो सकते हैं। मतलब ये दुश्मन की चाल या साजिश भी हो सकती है, इसलिए किसी भी बहकावे या भड़कावे में न आएं।

ममता बनर्जी ने बुलाई कैबिनेट बैठक

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 14 मई को राज्य कैबिनेट की अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक शाम 4 बजे राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने गुरुवार को आधिकारिक नोटिस जारी किया। कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगामी कैबिनेट बैठक में राज्य में सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दे सकती हैं। राज्य कैबिनेट की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी, इसलिए इस बार की बैठक पर सबकी नजरें टिकी हैं।

यूपी में विकास की जगह विनाश हो रहा है: अखिलेश यादव

» बोले सपा मुखिया-अगला विधानसभा चुनाव योगी बनाम प्रतियोगी होगा

» समाजवादी छात्र सभा की बैठक में भरा युवाओं में जोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अगला विधानसभा चुनाव योगी बनाम प्रतियोगी होगा। भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई नहीं। विकास की जगह विनाश हो रहा है। निजीकरण के बहाने पढ़ाई, रोजगार से पीडीए को दूर किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के युवा पार्टी के कार्यक्रम और संदेश को गांव-गांव, घर-घर पहुंचाएंगे और पीडीए की ताकत से भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि धिक्कार है सरकार को जो हर चीज का निजीकरण कर रही है। शिक्षा महंगी है। उसमें भी सरकारी हस्तक्षेप है। सम्मान जनक रोजगार भी नहीं मिल रहा है। नौजवान डिलीवरी ब्वॉय बन रहे हैं। न रोजगार है न पूंजी निवेश हो रहा है। संगठित भ्रष्टाचार बेलगाम है। इस कारण ही महंगाई है। नौकरी आरक्षण भाजपा के एजेंडा में नहीं है।

साइबर फ्रॉड और क्राइम में यूपी नम्बर वन

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अनुपयोगी और अयोग्य है। साइबर फ्रॉड और क्राइम में यूपी नम्बर वन बन रहा है। सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। साइबर क्राइम से कोई बच नहीं पा रहा है। रोज सड़क दुर्घटनाओं में लोग मर रहे हैं। पूरे प्रदेश में अस्पतालों में बदहाली है। न दवा इलाज है न डॉक्टर है। मुख्यमंत्री जी के गोरखपुर क्षेत्र के लोग इलाज कराने लखनऊ के कैंसर इंस्टीट्यूट में आ रहे है। तो समझ लें मुख्यमंत्री जी के क्षेत्र का क्या हाल होगा। समाजवादी सरकार में राजधानी का कैंसर इंस्टीट्यूट बना था।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी दल को इसका राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम भारत सरकार और हमारी सेना के साथ हैं। आतंकवाद को खत्म किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार जो भी नीति तय करती है। हम उसका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दल को इसका राजनीतिक फायदा नहीं लेना चाहिए। आतंकवाद का समूल नाश हो। हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हों और सेनाओं का उत्साह ऊंचा रहे। यही हमारा प्रयास है। बता दें कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक करने के बाद बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर जारी रखते हुए पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया है। श्री यादव ने कहा नौजवानों को अनुशासन के साथ अपना व्यवहार भाषा, व्यवहार उचित होना चाहिए। एक दूसरे का सम्मान करना सीखना चाहिए। जो शिक्षा में गुणवत्ता और बदलाव चाहते है। वे सभी मिलकर सरकार हटाएंगे।

निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट पहुंची महुआ मोइत्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक नई याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहद्रई पर सोशल मीडिया पर कथित तौर पर मानहानिकारक पोस्ट करने का आरोप लगाया है।

यह मामला लंबे समय से चले आ रहे विवाद का हिस्सा है, जिसमें दुबे और जय अनंत ने 2023 में मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। मोइत्रा की ओर से दायर इस नयी याचिका में कहा गया है कि निशिकांत दुबे और जय अनंत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की हैं, जो उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं। गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने सुनवाई की। कोर्ट ने दुबे के वकील से निर्देश लेने के लिए कहा कि क्या वह अपनी विवादित पोस्ट को हटा सकते हैं। सुनवाई के दौरान, दुबे के वकील ने यह भी कहा कि मोइत्रा ने लगातार उन्हें सोशल मीडिया पर पिटबुल कहकर अपमानित किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस पर कोर्ट ने जवाब दिया कि अगर कोई अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करता है, तो प्रभावित व्यक्ति सोशल मीडिया मध्यस्थ को शिकायत कर सकता है और ऐसी पोस्ट को हटवाया जा सकता है। हालांकि, दुबे के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि वह अपने मुवक्किल से संपर्क नहीं कर पाए क्योंकि दुबे यात्रा पर हैं। इसके बाद, कोर्ट ने मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया।

पीसीसी चीफ पटवारी को भारी पड़ा नारायण टैक्स कहना

» सीएम के भाई ने दिया 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। बड़नगर तहसील में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को बीते दिनों समाजसेवी नारायण यादव पर टिप्पणी करना भारी पड़ गया। मजाकिया अंदाज में पटवारी ने कहा कि भोलेनाथ की नगरी में नारायण टैक्स चल रहा है। इतना ही नहीं पटवारी ने यह भी कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह ठेकेदारी कर रहा हो या शराब का व्यवसाय सभी को नारायण टैक्स देना जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि सिंहस्थ को देखते हुए जो लोग होटल व्यवसाय का कार्य कर रहे हैं या होटल बनाने जा रहे हैं उन्हें भी 20ल नारायण टैक्स के रूप में अदा करना पड़ रहा है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा था कि इंदौर में भी नारायण टैक्स की हवा आ रही है। वहां एक दयालु बाबा हैं पहले उनका टैक्स लगता था, अब इन नारायण भैया ने खुद का नाम दयालु बाबा रख लिया है। मंच पर उपस्थित चेतन को संबोधित करते उन्होंने कहा कि एक वो दयालु था जिसके साथ हिस्ट्रीशीटर के नाम आते हैं और एक नारायण टैक्स वाले उज्जैन के दयालु हैं जो जब तक मोहन भैया को कुर्सी से नहीं हटा लेंगे दम नहीं लेंगे। इस संपूर्ण मामले से आहत होकर समाजसेवी नारायण यादव, जो कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई भी हैं, ने अपने सीनियर एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा के माध्यम से 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भेजा है।

राहुल गांधी की नागरिकता मामले में नई याचिका दाखिल

» फैसला होने तक विदेश यात्रा रोकने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता विवाद मामले में एक नई याचिका दाखिल करते हुए, उनकी नागरिकता को खत्म करने का आग्रह किया गया है। याचिका में यह भी निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि जब तक याचिका पर निर्णय नहीं हो जाता, तब तक राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर रोक लगा दी जाए।

याचिका कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्री अनुभाग में दाखिल की है। हालांकि, रजिस्ट्री ने सुनवाई के लिए अभी याचिका को पास नहीं किया है। रजिस्ट्री से पास होने के बाद ही कोई भी याचिका कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए पेश की जाती है। विदित हो कि याची ने पहले भी राहुल गांधी की नागरिकता विवाद मामले में एक याचिका दाखिल की थी जिसको कोर्ट ने इसी 5 मई को निस्तारित करते हुए आदेश दिया था कि याची अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकता है, साथ ही उसने इस विषय पर जो प्रत्यावेदन केंद्र सरकार को दे रखा है, उसका भी सक्षम अधिकारी द्वारा परीक्षण किया जा सकता है।

नेशनल हेराल्ड मामला : सुनवाई 21 मई तक टली

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में में आज दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वकील ने राउज एवेन्यू कोर्ट से कहा कि मामले से जुड़े दस्तावेजों का अध्ययन करने के लिए समय चाहिए। अदालत ने मामले की सुनवाई 21 मई तक के लिए स्थगित कर दी है और कहा है कि 22 मई को भी सुनवाई जारी रहेगी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलीलें सुनने के बाद कहा कि चूंकि सह-आरोपी सैम पित्रोदा को बृहस्पतिवार को ईमेल के जरिये नोटिस भेजा गया था, इसलिए अगली तारीख पर आरोपपत्र के संज्ञान पर दलीलें सुनना उचित है। अदालत ने पहले ईडी का पक्ष सुनने का भी फैसला किया जब मामले के शिकायतकर्ता और भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने ईडी के आरोपपत्र की प्रति मांगी। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने अदालत से अनुरोध किया कि वह सभी प्रतिवादियों को मामले में अपने जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दे। हालांकि, प्रस्तावित आरोपी फर्मों में से एकडॉटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद दुबे ने इस स्तर पर इस तरह के निर्देश जारी करने का विरोध किया। दलीलों को स्वीकार करते हुए विशेष न्यायाधीश ने कहा कि वह सभी प्रस्तावित आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए बाध्य करने वाला आदेश जारी नहीं कर सकते। सुनवाई के दौरान अन्य प्रस्तावित आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने व्यापक मामले के दस्तावेजों की समीक्षा करने के लिए समय मांगा।

बेनीवाल ने धरना किया स्थगित कहा, देशहित पहली प्राथमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए एसआई भर्ती 2021 रद्द करने, आरपीएससी को भंग कर पुनर्गठित करने, पीटीआई भर्ती में सत्यापन की मांग तथा रीट व आरएएस घोटालों की सीबीआई जांच जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन पर बैठे आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने इसे 13 मई तक स्थगित करने की घोषणा की है।

बेनीवाल ने मीडिया से कहा कि देश की सीमाओं पर बने हालात को देखते हुए आरएलपी ने यह निर्णय लिया है कि 13 मई तक आंदोलन को स्थगित रखा जाएगा। पाकिस्तान ने जैसा दुस्साहस किया, उसे हमारी सेना ने करारा जवाब दिया है। इस समय देश को एकता की आवश्यकता है और हम अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा, युवाओं के भविष्य को लेकर हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समय रहते हमारी मांगों पर निर्णय नहीं हुआ तो हम आगामी आंदोलन को और उग्र करेंगे। बेनीवाल ने कहा कि आंदोलन स्थगित किया गया है, समाप्त नहीं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान की अंतराष्ट्रीय सीमा पर है, ऐसे में देशहित को ध्यान में रखते हुए हम आंदोलन स्थगित कर रहे हैं,समाप्त नहीं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना की तारीफ की और कहा कि हमें हमारे देश की सेना पर गर्व है, हमारी सेना पाकिस्तान की हर गतिविधि का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सक्षम है।

बिहार विस चुनाव, दिखने लगा सियासी तनाव

डिजिटल माध्यमों का प्रयोग बढ़ाने की नीति पर जोर

- गठबंधनों में सीटों को लेकर रार
- राजद, भाजपा, जदयू ने संभाला मोर्चा
- तेजस्वी, नीतीश, चिराग करेंगे दौरे पर दौरा
- बिहार इलेक्शन से पहले महागठबंधन में दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन और एनडीए मैदान में उतर चुके हैं। जहां एनडीए में इस दफे 5 पार्टियां हैं जो खुद को पांडव की संज्ञा दे रहे हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (चिराग पासवान), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा है।

वहीं इस बार महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां हैं। 2020 में तेजस्वी महज 12 सीटों से सरकार बनाने से पीछे रह गए थे। लेकिन इस चुनाव में महागठबंधन सरकार बनाने का दावा ठोक मैदान में उतरा है। लेकिन एनडीए अपनी सत्ता को बरकरार रखने की बात कर रहै। बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं। मौजूदा विधानसभा में एनडीए पूर्ण बहुमत यानि 137 सीटों के साथ सत्ता में है। वहीं महागठबंधन 106 सीटों के साथ विपक्ष में है। उधर सारी पार्टियां इस बार तकनीकी व डिजिटल माध्यमों का प्रयोग बढ़ाने की नीति पर चल रही हैं। बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। झारखंड की प्रमुख राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) भी बिहार चुनाव में अपनी किस्मत आजमाना चाहती है। पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में 16 सीटों पर दावा ठोकते हुए साफ कर दिया है कि वह हर हाल में चुनाव लड़ेगी। झामुमो की प्राथमिकता महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ने की है, लेकिन अगर उसे गठबंधन में शामिल नहीं किया गया, तो पार्टी अकेले चुनाव लड़ने को भी तैयार है। झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने स्पष्ट रूप से कहा कि पार्टी बिहार में चुनाव जरूर लड़ेगी। उन्होंने राजद और कांग्रेस जैसे इंडिया गठबंधन के प्रमुख दलों से आग्रह किया है कि वे जल्द यह तय करें कि झामुमो को गठबंधन में शामिल करना है या नहीं। उन्होंने जानकारी दी कि झामुमो की बिहार इकाई ने 16 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव भेजा है और इनमें से कम से कम 12 सीटों पर पार्टी निश्चित रूप से चुनाव लड़ेगी।

नीतीश कुमार ने ली अपने लोगों की क्लास

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्कूल के हेडमास्टर वाला अवतार दिखा। स्कूल में जिसने भी पढ़ाई की होगी वह उस माहौल को समझ सकते हैं, जब चलती हुई क्लास के बीच में हेडमास्टर पहुंच जाते थे। हेडमास्टर चेक करने लगते थे कि टीचर क्लास में क्या पढ़ा रहे हैं। यही जेडीयू ऑफिस में देखने को मिला, जब बिना किसी पूर्व सूचना के सीएम और पार्टी अध्यक्ष सीएम नीतीश वहां पहुंच गए। जेडीयू ऑफिस में प्रवक्ताओं की बैठक चल रही थी। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक से वहां पहुंच जाते हैं। उनके साथ पार्टी के बड़े नेता होते हैं। साथ में होते हैं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, एमएलसी संजय गांधी और कई नेता। मुख्यमंत्री को अचानक पार्टी ऑफिस में देखकर वहां मौजूद तमाम प्रवक्ता और नेता हड़बड़ा गए। उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा था कि वह अपने नेता का स्वागत कैसे करें। हालांकि नीतीश कुमार ने तत्काल सभी नेताओं को अपने स्वभाव के अनुरूप कंफर्ट फील कराया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, ललन सिंह के साथ जदयू कार्यालय पहुंचे। उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ललन सिंह को कहते हैं कि यह सब काम हमने करवा दिया है। आप देख लीजिए उसके बाद ललन सिंह का कहना है कि हमने देख लिया है।

झामुमो ने इन सीटों पर जताया दावा?

झामुमो ने जिन 16 विधानसभा सीटों पर दावा किया है, वे हैं- कटोरिया, चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर और मनिहारी।

संजय यादव ने बताया झामुमो की मांग जायज

राजद नेता और झारखंड के श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झामुमो की मांग को जायज ठहराया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी अपने विस्तार की कोशिश करती है और झामुमो की मंशा भी यही है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब झारखंड में चुनाव हुए थे, तब राजद ने भी 15 सीटों की मांग की थी। संजय यादव ने कहा, अगर 10 सीट मांगेंगे तभी तो 5 मिलेंगी, एक ही मांगेंगे तो कैसे मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीटों का फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा और जो निर्णय लिया जाएगा, सभी दल उसका सम्मान करेंगे।

जान-पहचान नहीं है तो भी मिलेगा टिकट

राजेश राम ने कहा कि इससे पता चलेगा कि किस क्षेत्र में कितने नए और पुराने उम्मीदवार हैं। सबसे अच्छा काम करने वालों को चुना जाएगा। उसी के आधार पर टिकट देने का फैसला होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास वही लोग पहुंच पाते हैं, जिनकी हम तक पहुंच है। इसका मतलब है कि अक्सर पार्टी तक वही लोग पहुंच पाते हैं जो पहले से ही पार्टी में जान-पहचान रखते हैं। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के मुताबिक कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं, लेकिन वे पार्टी तक नहीं पहुंच पाते। ये क्यूआर कोड उन लोगों के लिए एक अच्छा तरीका है पार्टी तक पहुंचने का। इससे आम लोगों के साथ पार्टी का संपर्क बढ़ेगा। उन्होंने कहा, यह क्यूआर कोड हम तक पहुंचाने का एक बेहतर जरिया है। इससे हमारा आम लोगों के साथ इंटरेक्शन बढ़ेगा। क्यूआर कोड उन लोगों की मदद करेगा जो पार्टी तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं।

क्यूआर कोड से मिलेगा बिहार में कांग्रेस का टिकट

क्यूआर कोड स्कैन करने से सिर्फ पेमेंट ही नहीं होता, अब कांग्रेस का टिकट भी मिल सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने टिकट देने का नया तरीका निकाला है। इस बार टिकट के लिए आवेदन करने के लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है। इस क्यूआर कोड को स्कैन करके एक फॉर्म भरना होगा। इस फॉर्म को भरकर कोई भी चुनाव में टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकता है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि इससे आम लोगों के साथ उनका संपर्क बढ़ेगा और योग्य उम्मीदवार को टिकट मिलने का मौका मिलेगा। बिहार ऐसा पहला राज्य है, जहां कांग्रेस ने टिकट के लिए

क्यूआर कोड व्यवस्था की है। टिकट मिले या न मिले, इससे एक फायदा होगा कि अब अपनी बायोडेटा को सीधे आलाकमान तक पहुंचा सकते हैं। कांग्रेस पार्टी ने बिहार में पहली बार इस तरह की व्यवस्था की है। पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। यह आइडिया बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम का है। उनका कहना है कि इससे आम लोगों से पार्टी का जुड़ाव बढ़ेगा। राजेश राम ने बताया कि कोई भी व्यक्ति इस क्यूआरकोड से कहीं से भी आवेदन कर सकता है। आवेदन करने वाले को फॉर्म में कुछ जरूरी जानकारी भरनी होगी। इसके बाद ही उसका आवेदन स्वीकार किया जाएगा। इससे ये भी पता चलेगा कि कार्यकर्ताओं ने अपने इलाके में कितने विरोध प्रदर्शन किए हैं। उन्होंने जनता को उन प्रदर्शनों से कैसे जोड़ा और उनसे क्या बातें सामने आईं।

बिहार में लगेगा बाबाओं का दरबार

बिहार के कथा प्रेमियों को इस महीने डबल डोज मिलने जा रहा है। कुछ सियासी जानकार इसे भाजपा के हिंदुत्व को बढ़ावा देने की दृष्टि से देखा जा रही है। जबकि भाजपा इससे इंकार कर रही है। उधर विपक्ष कह रहा हे इन बाबाओं के आने से कुछ नहीं होगा। सरकार को इसबार करारा झटका लगेगस। बतादें पंडित धीरेंद्र शास्त्री ऊर्फ बागेश्वर बाबा और अनिरुद्धाचार्य एक बार फिर से बिहार आने वाले हैं। दोनों कथा वाचक यहां दरबार लगाने वाले हैं। बागेश्वर बाबार इस बार मुजफ्फरपुर में कथा करने आ रहे हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक 20 मई को वह मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे। वहीं 23 मई को कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य भी बिहार के मुजफ्फरपुर आ रहे हैं। ट्रस्ट के सचिव अमित कुमार ने बताया कि महायज्ञ को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां हो रही हैं। समय कम बचा है इसलिए पंडाल वगैरह को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 19 मई से जलाभिषेक शुरू होगा। 20 से 21 मई तक धीरेंद्र शास्त्री का प्रोग्राम प्रस्तावित है। 23 से 27 मई तक कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य का सतसंगसुधा होना है। 28 मई को इस महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी।ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार पप्पू ने बताया कि पहली बार मुजफ्फरपुर की धरती पर बाबा बागेश्वर और अनिरुद्धाचार्य आ रहे हैं। यानी भक्तों को डबल डोज मिलने जा रहा है। बता दें कि कुछ महीने पहले जब पंडित धीरेंद्र शास्त्री बिहार आए थे उस दौरान उन्होंने यहां पहली बार हिंदू राष्ट्र की बात छेड़ी थी, जिसके बाद कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें निशाने पर लिया था। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाए थे कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री जैसे कथावाचक बिहार में बीजेपी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने आते हैं, वह अपनी कथाओं के जरिए वोटों का धुर्वीकरण करना चाहते हैं।

> 23 मई को कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य भी बिहार के मुजफ्फरपुर आ रहे हैं। ट्रस्ट के सचिव अमित कुमार ने बताया कि महायज्ञ को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां हो रही हैं। समय कम बचा है इसलिए पंडाल वगैरह को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 19 मई से जलाभिषेक शुरू होगा। 20 से 21 मई तक धीरेंद्र शास्त्री का प्रोग्राम प्रस्तावित है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पाक पर मिसाइल स्ट्राइक, जैसे को तैसे वाला जवाब!

इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है।पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है।

एक कहावत हे जैसे को तैसा। पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम देने के बाद भी पाकिस्तानी सेना अपने को संभाल नहीं रही थी। वह सीमा पर सीज फायर का उल्लंघन करके गोलीबारी कर रही है। इस कायरना हरकत से कई भारतीय नागरिक मारे गए। अब सेना ने वैसे तो मिसाइल स्ट्राइक व पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करके उसको सब सिखा दिया है वैसे जैसे के साथ तैसा करना ही नीति है। इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है।पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले।

पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय वैश्विक छवि मजबूत करेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

डॉ. जगदीप सिंह

भारत द्वारा पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में जाना गया, भारत की उभरती वैश्विक शक्ति की छवि को मज़बूत करेगी। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों द्वारा हवाई क्षेत्र बंद करने और सिंधु जल संधि को निलंबित करने जैसे कदमों ने पहले ही क्षेत्रीय अस्थिरता क़ायम है। यह स्ट्राइक, मुरिदके और बहावलपुर में स्टैंड ऑफ हथियारों से की गई है। पाकिस्तान द्वारा इसे 'युद्ध का खुला ऐलान' कहे जाने के बाद वैश्विक शक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर सकती है। अमेरिका, भारत का रणनीतिक साझेदार है जो, आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के रूप में इसका समर्थन कर सकता है, जबकि चीन, पाकिस्तान का सहयोगी, उसके स्वर में बोलेगा, जिससे भारत-चीन तनाव और गहरा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कूटनीतिक टकराव की संभावना है। जहां भारत इसे आत्मरक्षा मानता है और पाकिस्तान इसे आक्रामकता कहेगा।

आर्थिक रूप से, इस कार्रवाई का पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। इससे कूटनीतिक अलगाव का जोखिम भी है, जिससे दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक अस्थिरता बढ़ सकती है। पहलगाम हमले के बाद, भारत ने कठोर कदम उठाए थे जैसे पाकिस्तानी उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करना और सिंधु जल संधि को निलंबित करना। पाकिस्तान ने इसे 'युद्ध जैसी कार्रवाई' करार दिया, और इस एयर स्ट्राइक को 'संप्रभुता का उल्लंघन' बताकर जवाबी सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। ऐतिहासिक रूप से, 2019 की बालाकोट स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने जवाबी हवाई हमले की कोशिश की थी। 2025 में, यदि पाकिस्तान सैन्य जवाब देता है, तो यह पूर्ण युद्ध में बदल सकता है, जिसका असर वैश्विक स्थिरता पर पड़ेगा। इसके अलावा, पाकिस्तान आतंकवादी समूहों जैसे जैश-ए-मोहम्मद को उकसा सकता है, जिससे भारत में और हमले हो सकते हैं। अमेरिका, जो भारत को क्वाड और इंडो-पैसिफिक रणनीति में महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, इस स्ट्राइक को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के रूप में देख सकता है।

हाल ही में भारत को 31 प्रीडेटर ड्रोन की बिक्री इसका सबूत है। हालांकि, अमेरिका युद्ध से बचने के लिए दोनों देशों को संयम बरतने की सलाह देगा। यदि स्ट्राइक के परिणामस्वरूप परमाणु जोखिम बढ़ता है, तो अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के माध्यम

से मध्यस्थता की कोशिश कर सकता है। चीन, पाकिस्तान का निकटतम सहयोगी और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपैक) निवेशक है, इस स्ट्राइक की आलोचना करेगा। यह भारत-चीन संबंधों को और तनावपूर्ण बनाएगा। चीन पाकिस्तान को सैन्य और कूटनीतिक समर्थन दे सकता है। रूस, जो भारत का पारंपरिक सैन्य साझेदार है, संभवत: तटस्थ रुख अपनाएगा। हालांकि, रूस के लिए पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है, खासकर ऊर्जा और क्षेत्रीय प्रभाव के संदर्भ में। रूस दोनों देशों को बातचीत के लिए प्रोत्साहित करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यह स्ट्राइक तीव्र बहस का विषय बनेगी। भारत इसे आत्मरक्षा और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के रूप में पेश करेगा। पाकिस्तान, दूसरी ओर, इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताकर भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की मांग करेगा। स्थायी सदस्यों अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस के परस्पर विरोधी हितों के कारण कोई ठोस प्रस्ताव पारित होना मुश्किल होगा। इस्लामिक सहयोग संगठन ओआईसी में पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को उठाकर समर्थन जुटाने की कोशिश करेगा, लेकिन भारत की सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ मजबूत कूटनीति इसे कमजोर कर सकती है। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन सार्क इस स्ट्राइक के बाद और कमजोर होगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा और सार्क देशों के माध्यम से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह स्ट्राइक क्षेत्रीय सहयोग को पूरी तरह ठप कर सकती है, क्योंकि बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसे देश तटस्थ रहने की कोशिश करेंगे। अफगानिस्तान, जो पहले से ही अस्थिर है, इस तनाव से और प्रभावित हो सकता है, क्योंकि पाकिस्तान समर्थित तालिबान भारत के खिलाफ गतिविधियां बढ़ा सकता है।

पाकिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर इस स्ट्राइक का विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। भारत द्वारा आईएमएफ से पाकिस्तान को मिलने वाले 7 बिलियन डॉलर के ऋण की समीक्षा की मांग करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। हवाई क्षेत्र बंद होने से पाकिस्तान को दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए लंबे हवाई मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं, जिससे उसकी एयरलाइंस को भारी नुकसान हो रहा है।

बाह्य और आंतरिक चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भयावहता और नृशंसता की भर्त्सना दुनिया का हर विवेकशील व्यक्ति कर रहा है। इस तरह की घटनाएं किसी व्यक्ति या समाज के विरुद्ध नहीं होतीं, यह हमला समूची मानवता के विरुद्ध था। पत्नी के सामने पति की हत्या, बेटे के सामने पिता की हत्या, बहन के सामने भाई की हत्याज यह सिर्फ हत्या नहीं है, यह अमानुषिकता का नंगा नाच था। इस काण्ड के विरुद्ध देश भर में क्रोध स्वाभाविक है। जिस तरह इस कृत्य की भर्त्सना हो रही है, और जिस तरह इसका बदला लेने की बात देश कर रहा है, वह किसी भी संवेदनशील समाज की पहचान है। सरकार द्वारा बुलाये गये सर्वदलीय सम्मेलन में देश के सभी राजनीतिक दलों ने एक स्वर से पहलगाम-काण्ड की भर्त्सना की है और इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा उठाये जाने वाले हर कदम को सभी राजनीतिक दलों ने समर्थन दिया है।

इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री उपस्थित रहते तो और अच्छा होता, फिर भी उन्होंने अन्यत्र यह स्पष्ट कर दिया है कि पहलगाम के अपराधियों को ऐसा दण्ड दिया जायेगा जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। गृहमंत्री ने आततायियों को 'चुन-चुन कर' सज़ा देने की बात कही है, और देश के रक्षामंत्री ने वचन दिया है कि 'वह अवश्य होगा जो आप (देशवासी) चाहते हैं।' सवाल उठता है कि इस संदर्भ में आज देश की जनता चाहती क्या है? एक वाक्य में कहें तो कह सकते हैं कि देश पहलगाम के अपराधियों को समुचित सज़ा देना चाहता है। महत्वपूर्ण है यह तथ्य कि देश बदले की बात नहीं कर रहा। अपराधियों को सज़ा देना चाहता है। सज़ा उनको भी जिन्होंने पहलगाम की घाटी में निरपराधों का खून बहाया और उनको भी जो इस सारे काण्ड के पीछे थे। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि आतंक की इन सारी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान के उन हुक्मरानों का हाथ रहा है, जिन्हें अपनी कुर्सी के लिए भारत के विरुद्ध विष-वमन करना एक अनिवार्यता लगती है। इसलिए, सज़ा के भागीदार वे भी हैं।

हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि इस संदर्भ में हर उचित कार्रवाई के लिए देश की सेना को पूरे अधिकार दे दिये गये हैं। कब, क्या और कहां कार्रवाई करनी है, यह तय करने की स्वतंत्रता सेना को मिल गयी है। अपराधियों को सज़ा मिलने में देरी की शिकायत करने वालों को यह याद रखना होगा कि युद्ध लड़ने का निर्णय भले ही सरकार करे, युद्ध कैसे लड़ा जाना है यह तय करने का काम सेना का ही होता है। वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ को यह बताया कि वे तत्काल पाकिस्तान पर हमला करना चाहती हैं तो जनरल ने कहा था, 'मुझे छह महीने का समय चाहिए।' इंदिरा गांधी ने अपने सेनाध्यक्ष की बात मान ली और उस लड़ाई का परिणाम सारी दुनिया ने देखा! तब लड़ाई कैसे और कब करनी है यह सेना ने तय किया था। आज भी यह निर्णय करने का काम सेना का ही है। हमें अपनी सेना पर भरोसा करना चाहिए। अपनी सेना पर भरोसा करने का मतलब अपने आप पर भरोसा करना है।

एक बात और भी है जो इस देश को समझनी है। आखिर पहलगाम में नरसंहार करने वाले आतंकियों का उद्देश्य क्या था? प्राप्त जानकारी के अनुसार उन आतंकियों को निर्देश था कि वे भारत को 'अधिकाधिक नुकसान' पहुंचाएं। इस अधिकाधिक का अर्थ सिर्फ ज़्यादा से ज़्यादा हत्याएं करना नहीं था- उनका उद्देश्य हमारी एकता को चोट पहुंचाना था। इसीलिए नाम पूछ-पूछ कर गोलियां चलायी थीं उन्होंने! वे मुसलमानों को बचाना नहीं चाहते थे, उनका उद्देश्य हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदना और उसे चौड़ा करना था। उन्होंने यही कोशिश की। लेकिन कश्मीर के उस घोड़ेवाले आदिल हुसैन ने अपनी जान देकर यह बता दिया कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदने वाले कभी सफल नहीं हो सकते। आदिल अपने मेहमानों की जान बचाने की कोशिश में खुद शहीद हो गया। यह गलत नहीं है कि आज़ादी मिलने के इन 75 सालों में देश में कई जगह सांप्रदायिक दंगे हुए हैं। लेकिन सही यह भी है कि ऐसे हर दंगे के बाद देश ने सबक सीखने की कोशिश की है। बहुधर्मी देश है हमारा भारत। शायद ही दुनिया के किसी देश में इतने सारे धर्मों के लोग रहते हों। यह बहुधर्मिता, वैविध्य हमारी ताकत है। हमें इस ताकत पर भरोसा भी करना है और इसे मज़बूत भी बनाना है। हमें सभी धर्मों से ऊपर उठकर एक भारतीय होने की अपनी पहचान पर गर्व करने की भावना को मज़बूत बनाना होगा। आज सारा देश एक स्वर में पहलगाम के अपराधियों को सज़ा देने की बात कर रहा है।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि सब यह चाहते हैं, और मांग कर रहे हैं कि अपराधियों को जल्दी से जल्दी सज़ा मिले। देश पाकिस्तान को भी पाठ पढ़ाना चाहता है। युद्ध की बातें भी हो रही हैं। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों की सेनाएं युद्ध की तैयारी में लगी हैं। सबको यह समझना होगा कि युद्ध में विजयी चाहे कोई भी हो, नुकसान दोनों पक्षों का होता है। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन यदि युद्ध हम पर थोपा ही गया तो हम आश्वस्त हैं, हमारी सेना पिछले चार युद्धों की तरह अब भी पाकिस्तान को परास्त करेगी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री रूस और यूक्रेन के नेतृत्व को समझा चुके हैं, 'यह युग युद्ध का नहीं है।' आज के युग में युद्ध का केवल एक ही मतलब है- विनाश? हम विनाश के पक्ष में नहीं हैं। हमने 'महाभारत' से यह सीखा है कि अंततः युद्ध में सब हारते हैं।

पसीने की बदबू से इन उपायों से मिलेगा छूटकारा

गर्मियों में पसीने आने की समस्या बहुत ज्यादा होती है। वातावरण का तापमान बढ़ने पर हमारा शरीर पसीना प्रोड्यूस करने लगता है, जो शरीर को अंदर से ठण्डा रखने में मदद करता है। लेकिन पसीने से भी ज्यादा मुश्किल है इससे आने वाली बदबू। गर्मियों में कई लोगों को बगल से ज्यादा पसीना आने की समस्या रहती है। कई बार यह परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि उनके कपड़े भी हमेशा पसीने से भीगे दिख सकते हैं। जिसकी वजह से कई बार उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। अब पसीना आने से रोका तो नहीं जा सकता, लेकिन पसीने की बदबू से बचने के कुछ घरेलू उपाय हैं जिससे आपके शरीर से पसीने के कारण आने वाली दुर्गंध को कम किया जा सकता है।

नीम

नीम के पत्तों में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पसीने से दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इसके पत्तों को पानी में उबालकर नहाने से पसीने की दुर्गंध दूर की जा सकती है। इसके अलावा ऐसे लोग जो फोड़े-फुंसी से परेशान हैं, उनके लिए नीम की पत्तियों के पानी से नहाना रामबाण से कम नहीं है। वहीं बारिश के मौसम में बीमारियां, इंफेक्सन का खतरा ज्यादा रहता है। इस मौसम में स्किन से जुड़ी समस्याएं भी होती हैं। ऐसे में अगर नहाने के पानी में नीम की पत्तियां डाल दी जाएं तो इन सभी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

नींबू

नींबू के रस में मौजूद साइट्रिक एसिड बैक्टीरिया को मारता है, जिससे पसीने की दुर्गंध कम होती है। इसके लिए आप नींबू के रस को सीधे अंडरआर्म्स या नहाने के पानी में मिलाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना सुबह उठकर नियमित रूप से नहाना ना केवल स्वच्छता के लिए जरूरी है बल्कि सेहत के लिए भी उपयोगी है। लेकिन यदि नहाने के पानी में नींबू के रस को मिलाया जाए तो त्वचा को कई समस्याओं से दूर रख सकते हैं। ऐसा करने से व्यक्ति को फ्रेश महसूस हो सकता है। इसके अलावा नींबू के अंदर पाए जाने वाले ब्लीचिंग प्रॉपर्टी त्वचा के दाग धब्बों से राहत दिलाने में भी आपके बेहद काम आ सकती है।

आलू

आलू एक प्राकृतिक क्लींजर है जो त्वचा में मौजूद गंदगी को निकाल देता है। इसकी स्लाइस को पसीने वाली जगह पर रगड़ने से पसीने की दुर्गंध से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके अलावा एक्ने प्रोन स्किन के चलते चेहरे पर दाग धब्बों की समस्या बनी रहती है। इस समस्या को दूर करने और नेचुरल ग्लो को बनाए रखने के लिए आलू के रस में शहद की बूंदों और चुटकी भर हल्दी मिलाकर चेहरे पर कॉटन की मदद से लगाएं। हल्दी में मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण दाग धब्बों के अलावा स्किन इंफ्लामेशन को भी कम करता है। वहीं आलू के रस सप्ताह में 2 बार लगाने से झुर्रियों और फाइन लाइंस से राहत मिल जाती है।

नारियल का तेल

नारियल के तेल में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण पसीने से दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करने में मदद करते हैं। रात को सोने से पहले शरीर के उन हिस्सों पर जहां पसीना ज्यादा आता हो वहां नारियल का तेल लगाकर हल्की मसाज करनी चाहिए। यह त्वचा को हाइड्रेट रखने के काम आता है। इसे त्वचा पर लगाने से नमी ब्लॉक हो जाती है और त्वचा पर रूखापन हावी नहीं हो पाता है। नारियल तेल का उपयोग त्वचा को एलर्जी और ऐक्ने फ्री रखने में मदद करता है। इनके साथ ही आप रिंकल्स, स्ट्रेच मार्क्स जैसी कई समस्याओं का समाधान सिर्फ नारियल तेल की सहायता से कर सकते हैं।

हंसना मना है

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से: तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके: अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए, लड़की वाले: कितना कमा लेते हो? लड़का: इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले: फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर: मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य: उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य: उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

लड़का: मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप: कितना कमा लेते हो। लड़का: 19000 हजार महीना। लड़की का बाप: 15000 मैं अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति: अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना ! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

कहानी — घमंडी पर्वत

एक जंगल में एक बहुत विशाल पर्वत था। एक दिन उस विशाल पर्वत ने उस जंगल में रहने वाले जानवरों को देखा, जंगल को देखा और फिर खुद को देखा। उसे अपने आकार पर बहुत घमंड हुआ उसने कहा कि मैं इस जंगल में सबसे शक्तिशाली हूं, मैं ही तुम्हारा ईश्वर हूं। विशाल पर्वत की यह बातें सुनकर सभी जंगल में रहने वाले जानवरों को बहुत गुस्सा आया। घोड़े ने आगे बढ़कर कहा- ओ घमंडी पर्वत अपने आप पर इतना घमंड मत कर। एक क्षण में तुम्हें दौड़ कर पार कर सकता हूं, इतना कहकर घोड़े ने अपनी पूरी ताकत के साथ उस विशाल पर्वत को पार करने की कोशिश की लेकिन घोड़ा लड़घड़ा कर गिर गया। यह देखकर पर्वत दिल खोलकर हंसा, इसी तरह जंगल के अन्य जानवरों जैसे हाथी, ऊंट ,जिराफ सभी ने कोशिश की पर वे पहाड़ का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाए अब सभी जानवरों को अपना दोस्त चूहा याद आया। फिर चूहा पर्वत के पास आया और उसने पर्वत को चुनौती दी। चूहे की बात सुनकर विशाल पर्वत ने चूहे का खूब मजाक उड़ाया। चूहे ने मुस्कुराते हुवे पर्वत में छेद बनाना प्रारंभ किया। अन्य चूहों ने भी पर्वत में छेद करना चालू कर दिया। यह देखकर पर्वत घबरा गया उसने सभी जानवरों से माफी मांगी। इस तरह पर्वत के घमंड को एक छोटे से चूहे ने तोड़ दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें अपने ऊपर इतना घमंड नहीं करना चाहिए कि वह हम पर ही भारी पड़ जाए। हमारे पास जो शक्ति है उसका हमें दुरूपयोग नहीं करना चाहिए। बल्कि उसका मानव कल्याण के लिए सहयोग करना चाहिए। यही हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला — सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। हर कार्य बेहतर होगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर — अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कुम्भ — मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन — घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

जब मेरी फिल्म फ्लॉप होती है तो मैं अपनी फीस नहीं लेता : आमिर

मिस्टर पर्फेक्शनिस्ट आमिर खान जल्द ही कमबैक करने वाले हैं। फिल्म सितारे जमीन पर ये नजर आने वाले हैं। कहा जा रहा है कि आमिर फिल्म में विलेन का रोल अदा करते दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन आरएस प्रसन्ना ने संभाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये फिल्म साल 2007 में आई तारे जमीन पर का सीक्वल है। फिल्म स्पेशल बच्चों पर आधारित है। 20 जून को ये सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ, जिसके बाद से फैन्स के बीच इसे लेकर हलचल मच गई। आमिर के साथ इसमें 10 नए एक्टर्स नजर आने वाले हैं। यानी वो इस फिल्म से 10 नए एक्टर्स को लॉन्च कर रहे हैं। हाल ही में एक निजी वेबसाइट संग बातचीत में आमिर ने फिल्म पर बात की। साथ ही ये भी बताया कि जब-जब उनकी कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती है तो वो अपनी फीस नहीं लेते हैं। आखिरी बार आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा बुरी तरह बॉक्स ऑफिस पर फेल हुई थी। आमिर ने कहा- मैं अपनी पेमेंट प्रॉफिट से लेता हूं। अगर फिल्म को मुनाफा नहीं होता है तो मैं अपनी पेमेंट नहीं लेता। जैसे कि लाल सिंह चड्ढा फ्लॉप हुई तो मैंने पैसे नहीं लिए। और इस चीज का मुझे कोई पछतावा भी नहीं होता। बिल्कुल सही नियम है ये। अगर मेरी फिल्म नाामयाब हुई है तो मुझे ही जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ये मेरी सोच है। अब जैसे मैं आपको ये बता रहा हूं और मेकर्स मेरी बात सुनकर हर एक्टर पर ये लागू करने लगे तो वो गलत होगा। क्योंकि हर आदमी अपनी तरीके से काम करता है और हर आदमी की अपनी सोच होती है। मैं जब काम करता हूं तो मेरे सामने ये नहीं होता कि मैं 60 दिन काम कर रहा हूं तो मुझे आप इतने पैसे दे दें। वो मेरी सोच ही नहीं है। कुछ लोगों की सोच है वो। बड़ी प्रोफेशनली काम करते हैं कि मैं इतने दिन आ रहा हूं आप इतने पैसे मुझे दे दें। फिर चले न चले हमको उससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

अब निर्देशक राज निदिमोरु के लिए धड़क रहा है सामंथा प्रभु का दिल

बॉलीवुड | गपशप

सामंथा रुथ प्रभु अपनी कई आगामी साउथ फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित है सामंथा की लव लाइफ। उनके फैंस यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि आखिर नागा चैतन्य से तलाक के बाद सामंथा किसे डेट कर रही हैं। आखिरकार, सामंथा की लाइफ में अब एक खास शख्स की एंट्री हो गई है। बॉलीवुड लाइफ डॉट कॉम की एक खबर के अनुसार, नागा चैतन्य और सामंथा के तलाक को अब पूरे 5 साल हो चुके हैं। नागा से अलग होने के बाद सामंथा का दिल निर्देशक राज निदिमोरु के लिए धड़क रहा है। हाल ही में सामंथा ने अपनी फिल्म शुभम को लेकर कुछ बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें सामंथा और राज की कुछ कोजी तस्वीरें भी दिखाई दीं।

पिछले कुछ समय से सामंथा और डायरेक्टर राज निदिमोरु के अफेयर की अफवाहें उड़ रही हैं। इसी बीच सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर राज के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वह राज निदिमोरु के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत। सामंथा रुथ प्रभु की इस इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद नेटिजेंस उनसे रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर रहे हैं। राज निदिमोरु एक साउथ निर्देशक हैं। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह एक बेटी के पिता हैं। अभी तक सामंथा और राज दो सीरीज में एक साथ काम कर चुके हैं। राज ने सामंथा को द फैमिली मैन और सिटाडेल: हनी बनी जैसी वेब सीरीज में डायरेक्ट किया है।

थिएटर नहीं अब 16 मई को सीधे आपके घरों में आयेगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव की फिल्म 'भूल चूक माफ' की सिनेमाघरों में रिलीज ऐन मौके पर रद्द कर दी गई है। निर्माताओं ने इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर 16 मई को रिलीज करने का ऐलान किया है। इस फैसले के पीछे देश में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बने हालात को वजह बताया गया है।

'भूल चूक माफ' को 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होना था। दिल्ली और मुंबई में गुरुवार दोपहर इसके प्रेस शो भी तय थे, लेकिन निर्माताओं ने आखिरी वक्त पर रिलीज का प्लान बदल दिया। मैडॉक फिल्म्स ने एक बयान जारी कर कहा, हाल ही की घटनाओं और देशभर में बढ़ी सुरक्षा तैयारियों को देखते हुए, मैडॉक फिल्म्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने फैसला किया है कि हमारी फैमिली एंटरटेनर फिल्म भूल चूक माफ अब सीधे आपके घरों में आएगी। यह फिल्म अब 16 मई को केवल प्राइम वीडियो पर दुनियाभर में रिलीज होगी। हम इस फिल्म को सिनेमाघरों में आपके साथ मिलकर देखने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन देश की भावना और सुरक्षा सबसे पहले है। जय हिंद।

फिल्म की रिलीज रद्द होने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। कुछ लोग निर्माताओं के इस फैसले को देशभक्ति से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, कुछ फिल्म के कंटेंट को कमजोर बताते हुए इसे सोच समझकर लिया गया फैसला करार दे रहे हैं। एक शख्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, धन्यवाद मैकॉक फिल्म्स...यह अच्छी बात है कि आपने देश के बारे में सोचा। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह बढ़िया बहाना है, फिल्म के लिए कोई स्क्रीन उपलब्ध नहीं है। एक और यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, वैसे भी इसे कोई नहीं देखने वाला। भूल चूक माफ की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ वामिका गब्बी भी नजर हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। इस फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

अजब-गजब | इस द्वीप का है सबसे डरावना इतिहास

ये है कंकालों का द्वीप, जहां हैं हड्डियां ही हड्डियां

दुनिया में बहुत सी अलग-अलग जगहें हैं और उनका अपनी-अपनी खासियत है। कुछ जगहें इसलिए मशहूर हैं क्योंकि वो बहुत खूबसूरत हैं और कुछ जगहें इसलिए जानी जाती हैं क्योंकि वहां का इतिहास काफी रोचक होता है। आज एक ऐसी जगह के बारे में आपको हम बताएंगे, जहां का इतिहास इतना डरावना है कि सामान्य आदमी का दिमाग हिल सकता है।

18वीं से 19वीं सदी के बीच इस द्वीप में कुछ ऐसा हुआ, जिसके सबूत आज भी यहां जगह-जगह पर बिखरे हुए हैं। इनकी तस्वीरें किसी की भी रातों की नींदें उड़ाने के लिए काफी हैं। जिस तरह पत्थर बिखरे रहते हैं, वैसे यहां इंसानों की हड्डियां और दांत बिखरे हैं। यही वजह है कि इसे डेडमैंस आइलैंड यानि मुर्दों का द्वीप कहा जाता है।

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 200 सालों में इस जगह पर कोई भी नहीं गया है क्योंकि यहां कंकालों, हड्डियों और इंसानी अवशेषों के अलावा कुछ भी नहीं है। लंदन से 40 मील की दूरी पर मौजूद इस भुतहे द्वीप में कैदियों को दफनाया जाता था। यहां पर 200 सालों तक कैदियों के जहाज़ आते थे और उन्हें यहीं मरने के लिए छोड़ दिया जाता था। उनके शरीर धीरे-धीरे यहीं खत्म हुए, जिनकी हड्डियां और दांत बिखरे मिलते हैं। जो ताबूत आए, वे कई जगह खुले ही पड़े हैं। साल 2017 में

बीबीसी ने स्पेशल परमिशन के तहत यहां एंट्री थी। उसकी प्रेज़ेंटर नताली ग्राहम ने इस द्वीप को देखते ही कहा था ये बेहद अजीब है और उसे कल्पना भी नहीं थी कि धरती पर ऐसा नज़ारा भी कहीं दिख सकता है। अब वो ये तस्वीर भूल नहीं पाएंगी। वहीं उनके साथ ने कहा कि ये किसी हॉरर फिल्म से कम नहीं था, जहां हड्डियां और ताबूत ही थे। इसके बारे में कई कहानियां हैं। कुछ लोग कहते हैं कि यहां सिर्फ मुर्दों का राज चलता है या फिर यहां दानवों ने आकर लोगों को खा लिया और उनका दिमाग ले लिया। हालांकि इतिहास यही कहता है कि यहां 200 साल तक कैदी रखे गए, तैरती हुई जहाज़ों में उन्हें रखा जाता था। इनमें पॉकेटमार बच्चे तक शामिल थे, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाता था। जो बीमार हुए वे जहाज़ के डेक में ही मर जाते थे। उन्हें यही मुर्दों के आइलैंड में दफना दिया जाता था।

पुलिस ने फूंका 20 टन गांजा, पूरा शहर ही बन गया नशेड़ी, 5 दिन तक नहीं उतरा नशा

आपने शायद ही कभी सुना होगा कि किसी को पुलिस ने नशा करा दिया हो। आमतौर पर सरकार और पुलिस लोगों को नशा करने से रोकती है, जो लोग ऐसी गतिविधियों में इनवॉल्व होते हैं, उन्हें सजा देती है लेकिन यहां मामला जरा उल्टा हो गया। पुलिस ने खुद ही पूरे शहर को नशा करने पर मजबूर कर दिया। वे कितना भी बचते रहे लेकिन बच ही नहीं पाए। ये अजीबोगरीब घटना हुई तुर्की में। हर जगह की पुलिस की तरह तुर्की की पुलिस भी चाहती थी कि लोग गांजे का नशा न करें क्योंकि वहां ये अवैध है। हालांकि इस कोशिश में उसने खुद ही 20 टन गांजा फूंककर लोगों को नशे में हाई कर दिया। ये घटना इतनी दिलचस्प है कि इस वक्त सोशल मीडिया से लेकर इंटरनेशनल सुर्खियों में छाई हुई है। ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की के दियारबकर प्रोविंस में मौजूद लाइस नाम की जगह पर ये घटना हुई। 25000 लोगों वाले इस शहर में पुलिस ने जब्त की हुई वीड को खत्म करने के उद्देश्य उसे फूंका था। इसकी वजह से शहर की हवा में गांजे का धुआं सेटल हो गया। ये एक-दो दिन नहीं बल्कि पूरे 5 दिन तक रहा। यही वजह है कि लोगों को हल्का नशा था। वे अपने घर के खिड़की और दरवाजे बंद करके बैठे हुए थे और नशा हो जाने के डर से वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। उन्हें डर वक्त उल्टी, सिर चकराने और अजीब सा लगता रहता था। दरअसल पुलिस ने 10 बिलियन टर्किश लिरा यानि करीब 2215 करोड़ 80 लाख रुपये से भी ज्यादा के जब्त किए हुए गांजे को सिटी सेंटर में फूंक दिया। ये करीब 766 किलो 679 ग्राम था और 2023-2024 के दौरान पकड़ा गया था। एक स्थानीय नागरिक के मुताबिक इस कांड के बाद बहुत से लोगों को अस्पताल में जाना पड़ रहा है। सिटी सेंटर में फूंके गए गांजे की वजह से पूरा शहर नशामुक्त होने के बजाय बिना चाहे ही नशे में आ गया है।

आज दुनिया भारत की ताकत देख रही है : गौतम अडानी

» अडानी समूह के चेयरमैन बोले- सभी भारतीय सशस्त्र बलों के साथ हों एकजुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी भारतीय सेना के शौर्य को सरहा है। पाकिस्तान द्वारा तनाव बढ़ाए जाने के बीच गौतम अडानी ने कहा है कि ऐसे समय में ही दुनिया भारत की असली ताकत देख रही है। श्री अडानी ने यह भी कहा कि सभी भारतीय सशस्त्र बलों के साथ अटूट एकजुटता में खड़े हैं। ऐसे समय में ही दुनिया भारत की असली ताकत और एकता देख रही है, जो उसकी एकता और विविधता दोनों में ही निहित है। हम अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं और अपने सशस्त्र बलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि वे हमारी मातृभूमि और हमारे आदर्शों की आत्मा की रक्षा करते हैं।

बता दें पिछले महीने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के पंजाब के मुरीदके और बहावलपुर में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी संगठनों के मुख्यालयों समेत पाकिस्तान में नौ ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने जवाब में भारत में 15 ठिकानों पर हमला किया, लेकिन वे असफल रहे। इसके बाद भारत के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया और लाहौर में कम से कम एक को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया। गुरुवार शाम को पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में प्रतिष्ठानों पर मिसाइलें दागीं और कुछ अन्य स्थानों पर ड्रोन दागे, जिन्हें भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने सफलतापूर्वक रोक दिया। चंडीगढ़, मोहाली और श्रीनगर समेत कई शहरों में ब्लैकआउट भी लागू किया गया है।

अडानी के एक्स पर हैशटैग- इंडिया फर्स्ट

अडानी समूह के चेयरमैन ने एक्स पर हैशटैग इंडियाफर्स्ट जोड़ते हुए और जय हिंद के साथ साइन करते हुए पोस्ट किया। देश के बड़े कारोबारी और अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने एक्सपर लिखा, ऐसे वक्त में दुनिया भारत की असली ताकत और एकता को देख रही है। हम अपनी सेना के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने भारत फर्स्ट और हिंद का नारा लगाते हुए लिखा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी गरिमा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

भारत ने नाकाम किया हमला

उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब भारत ने गुरुवार रात पाकिस्तान की एक बड़ी हवाई हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। यह हमला जम्मू, पठानकोट और उधमपुर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइलों के जरिए किया गया था।इस हमले के चलते जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में ब्लैकआउट और सायरन बजने लगे। लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई और आपातकालीन व्यवस्था सक्रिय कर दी गई। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) के मुताबिक, भारतीय सेना ने सभी खतरों को कारगर तरीकों से नाकाम किया। जम्मू एयरपोर्ट के पास कई ड्रोन मार गिराए गए और किसी भी सैन्य ठिकाने को नुकसान नहीं पहुंचा।

आठ मिसाइलों को तबाह किया

जम्मू के पास आठ मिसाइलें भी इंटरसेप्ट की गईं। साथ ही, भारत की ओर से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ने पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस से उड़ान भरने वाले एक एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया। भारत ने इस हमले का तेजी से और निर्णायक जवाब दिया। सूत्रों के अनुसार भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया जिनमें लाहौर का एक ठिकाना भी शामिल है।

केरल में न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाएं जोसेफः राहुल

» कांग्रेस के नए अध्यक्ष को नेता प्रतिपक्ष ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी की केरल इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष सनी जोसेफ को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह राज्य में न्याय की लड़ाई का नेतृत्व करेंगे। केरल में कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कई सप्ताह से चल रही अनिश्चितता को समाप्त करते हुए, पार्टी ने बृहस्पतिवार को प्रदेश नेतृत्व में व्यापक बदलाव किया है।

पार्टी ने सांसद के. सुधाकरन की जगह तीन बार के विधायक जोसेफ को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह बदलाव राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले किया गया है, जहां कांग्रेस एक दशक के एलडीएफ शासन के बाद सत्ता में वापसी के लिए प्रयास कर रही है। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अधिवक्ता सनी जोसेफ और केपीसीसी की नई टीम को बधाई। केरल में न्याय और प्रगति की लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए आपको शुभकामनाएं।

तेजस्वी ने सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को दी आर्थिक मदद

» कुरसेला में हुई दुर्घटना में मारे गए आठ लोगों के परिवारों से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटिहार। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कटिहार जिले के कुरसेला में हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 8 लोगों के परिवारों से मुलाकात की। यह हादसा उस समय हुआ जब कुछ लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे। तेजस्वी ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे समाज को हिला देने वाली है और पार्टी इस कठिन समय में पूरी तरह से पीड़ित परिवारों के साथ है। राजद पार्टी की तरफ से मृतकों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये और घायलों को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई। उन्होंने पीड़ितों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी।

दुर्घटना में जिन लोगों की मौत हुई, उनमें टुनटुन मंडल, प्रिंस कुमार, धीरज पोद्दार, ज्योति कुमार, रूपेश मंडल, शिको कुमार, राधा मंडल और अजय कुमार शामिल हैं। तेजस्वी ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

महापौर ने यातायात बैठक में उठाई ठोस मांगें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयुक्त कक्ष में आयोजित यातायात समिति एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ीकरण की महत्वपूर्ण बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर की जनहित से जुड़ी कई अहम समस्याओं को दृढ़ता से उठाया। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब और पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डीएम विशाख अय्यर, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, जॉइंट सीपी बबलू कुमार, नगर आयुक्त गौरव कुमार समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि लालबाग और कैसरबाग क्षेत्रों में सड़कों पर फैले अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई है।

उन्होंने इस पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़कों को गैराज या बाजार में बदलने की प्रवृत्ति पर तत्काल अंकुश लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शहर के ट्रैफिक सिग्नल व चौराहों पर बच्चों द्वारा की जा रही भिक्षावृत्ति न केवल कानून व्यवस्था के लिए गंभीर विषय है, बल्कि ये बच्चों के भविष्य से भी खिलवाड़ है। उन्होंने इसे रोकने के लिए ठोस और संवेदनशील कार्रवाई की मांग की। अन्य विषयों में अतिक्रमण हटाना, सड़कों की चौड़ाई बढ़ाना, अवैध पार्किंग पर कार्रवाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का सुधार और ई-रिक्शा व नाबालिग चालकों की अनियमितता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ट्रैफिक जाम भिक्षावृत्ति और सड़क पर बस खड़ी करने जैसी समस्याओं पर जताई गंभीर चिंता

सड़क किनारे बसें खड़ी कर सवारी भरने की प्रवृत्ति पर रोक लगे

इसके अलावा, महापौर ने रोडवेज बस चालकों द्वारा सड़क किनारे बसें खड़ी कर सवारी भरने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जाम की स्थिति बनती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है। महापौर की सभी मांगों पर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब और जॉइंट सीपी बबलू कुमार ने सहमति व्यक्त करते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इन बिंदुओं को ट्रैफिक सुधार की कार्ययोजना में प्राथमिकता दी जाएगी।

भारत-पाक के तनाव के बीच आईपीएल सस्पेंड

» नई तारीखों की जल्द ही घोषणा करेगा बीसीसीआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान विवाद के कारण आईपीएल 2025 के मौजूदा सीजन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। 9 मई को बीसीसीआई की बैठक में ये बड़ा कदम उठाया गया। वहीं बीसीसीआई की तरफ से कहा गया कि जब देश युद्ध लड़ रहा हो तब क्रिकेट का चलना अच्छा नहीं लगता। वहीं आज से कोई मैच नहीं होगा। वहीं अब बीसीसीआई की पहली प्राथमिकता विदेशी खिलाड़ियों को वापस भेजने की है। इसके साथ ही बीसीसीआई नई तारीखों का जल्द ही घोषणा करेगा।

भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण 8 मई को धर्मशाला में आयोजित ये मुकाबला बीच में ही रद्द कर दिया गया था। वहीं आईपीएल के इस संस्करण को यही रोक दिया गया है। अब हालात सामान्य होने के बाद ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के बाकी मैचों को कराया जाएगा। इसकी तारीखों की घोषणा जल्द होगी। एक विकल्प ये भी हो सकता है कि खाली स्टेडियम में मुकाबले कराए जाएं, दर्शकों के स्टेडियम तक आने पर पाबंदी लगा दिया जाए। वहीं धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द कर दिया गया था। इसके बाद से ही सीजन के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि ये अच्छा नहीं लगता कि जब देश में युद्ध चल रहा हो तब क्रिकेट चल रहा हो।

पंजाब-दिल्ली मैच रद्द

धर्मशाला। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य कार्रवाई के बीच धर्मशाला में खेला जा रहा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बीच में रोका गया और कुछ देर बाद ही इस रद्द करने का फैसला किया गया। 9:29 मिनट पर पहले मैदान की फ्लडलाइट बंद की गई थी। इसके बाद मैदान से खिलाड़ियों और दर्शकों को बाहर बजाते देखा गया था। हालांकि, मैच अधिकारियों ने बिना देरी किए मैच को रद्द करने का फैसला किया। वहीं खिलाड़ियों को धर्मशाला से दिल्ली भेजने के लिए विशेष व्यवस्था की। बीसीसीआई ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों के साथ ही ब्रॉडकास्ट की पूरी टीम को वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली रवाना किया। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया लगातार नजर बनाए हुए है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर बताया कि वो हालात पर नजर रखे हुए है। ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं।

भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को देख दुनिया दंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीती रात भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने दुश्मन के सभी प्रयासों को विफल कर जो कमाल दिखाया है उसकी आज हर भारतीय सराहना कर रहा है और उसे यह विश्वास हो चला है कि तकनीक के मामले में हमारे रक्षा बल अब बहुत आगे निकल चुके हैं। देखा जाये तो आधुनिक युद्ध में आकाश पर नियंत्रण अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इसलिए हवाई रक्षा प्रणालियाँ किसी भी देश की सुरक्षा अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण कड़ी हो गयी हैं।

कायर पाक के हमलों को किया नाकाम

हम आपको बता दें कि एक सक्षम और क्रियाशील हवाई रक्षा प्रणाली दुश्मन के हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करती है। जैसा कि बुधवार-गुरुवार की रात देखने को मिला जब पाकिस्तान की ओर से किये गये हमलों के सभी प्रयासों को विफल कर दिया गया।

हवाई रक्षा प्रणाली का उद्देश्य आसमान से आने वाले खतरों को निष्क्रिय करना

हवाई रक्षा प्रणाली का प्राथमिक उद्देश्य आसमान से आने वाले खतरों को निष्क्रिय करना होता है— चाहे वह दुश्मन के लड़ाकू विमान हों, मानव रहित ड्रोन हों, या मिसाइलें। यह एक जटिल प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिसमें रडार, नियंत्रण केंद्र, रक्षात्मक लड़ाकू विमान और ज़मीन आधारित मिसाइलें, तोपखाना तथा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली शामिल होती हैं। हम आपको बता दें कि हवाई रक्षा प्रणाली की तीन कार्यप्रणालियां हैं जोकि आपस में जुड़ी हुई हैं। हवाई रक्षा प्रणाली का दूसरा काम नजर रखना होता है। हम आपको बता दें कि केवल खतरे की पहचान करना काफी नहीं होता; उस पर लगातार और सटीक नज़र रखना भी ज़रूरी होता है। हवाई रक्षा प्रणाली का तीसरा काम प्रतिरोध करना होता है। हम आपको बता दें कि एक बार खतरे की पहचान और ट्रैकिंग हो जाने के बाद, उसे निष्क्रिय करना ज़रूरी होता है।

8-9

मई की मध्यरात्रि को दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा किए गए कई ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया और उनका जवाब दिया

पाक सीमा पर मिसाइल प्रणाली तैनात की

अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना और वायु सेना दोनों ने पाकिस्तान सीमा पर मिसाइल प्रणाली तैनात की है। रक्षा अधिकारियों ने कहा, भारत में निर्मित आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली का भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा भारतीय लक्ष्यों पर पाकिस्तानी हमलों को विफल करने में प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया है। भारतीय सेना और वायु सेना दोनों के पास पाकिस्तान सीमा पर मिसाइल प्रणाली है।

आकाश मध्यम दूरी की हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है

आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एक मध्यम दूरी की, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है जो मोबाइल, अर्ध-मोबाइल और स्थिर कमजोर बलों और क्षेत्रों को कई हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्रीय वायु रक्षा प्रदान करती है। इस प्रणाली में अत्याधुनिक विशेषताएं और क्रॉस-कंट्री मोबिलिटी है। रीयल-टाइम मल्टी-सेंसर डेटा प्रोसेसिंग और खतरा मूल्यांकन किसी भी दिशा से कई लक्ष्यों को एक साथ संलग्न करने में सक्षम बनाता है। संपूर्ण प्रणाली लचीली और अप-स्केलेबल है और इसे समूह और स्वाया मोड में संचालित किया जा सकता है। यह कमांड मार्गदर्शन का उपयोग करता है और मिसाइल को अवरोधन तक मार्गदर्शन करने के लिए चरणबद्ध सरणी मार्गदर्शन रडार पर निर्भर करता है।

पाकिस्तानी ड्रोन हमलों को नाकाम करने में भारत में निर्मित आकाश मिसाइल बनी देश की ढाल

पाकिस्तान ने गुरुवार देर शाम (8 मई) को भारत की पश्चिमी सीमा पर कई स्थानों को निशाना बनाते हुए समन्वित ड्रोन और मिसाइल हमले किए। हालांकि, भारतीय सशस्त्र बलों ने तेजी से जवाब दिया और हवाई खतरों को नुकसान पहुंचाने से पहले ही सफलतापूर्वक रोक दिया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, स्वदेशी रूप से विकसित आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली ने गुरुवार को भारतीय संपत्तियों को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी ड्रोन हमलों को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 8 और 9 मई की मध्यरात्रि के दौरान भारतीय सेना ने पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान द्वारा किए गए कई ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया और उनका जवाब दिया।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में जैश के सात संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

पाकिस्तान की चाल को बीएसएफ ने किया नाकाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। यह कोशिश 8 मई की रात करीब 11 बजे की गई। एक्स पर एक पोस्ट में, बीएसएफ जम्मू ने लिखा, 8 मई 2025 को लगभग 2300 बजे, बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार की सुबह जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े होने का संदेह वाले सात आतंकवादी मारे गए। यह ऑपरेशन 8 मई को रात 11 बजे के आसपास शुरू हुआ, जब बीएसएफ के जवानों ने सांबा सीमा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी।बीएसएफ ने एक्स पर एक पोस्ट में पुष्टि की, 8 मई 2025 को लगभग 2300 बजे, बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच तेजी से बढ़ते सैन्य तनाव के बीच हुई। इससे पहले गुरुवार को, भारत ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग करके जम्मू, पठानकोट, उधमपुर में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी प्रयास को विफल कर दिया, जो शत्रुता में एक खतरनाक उछाल का संकेत था। पाकिस्तान का यह हमला भारत द्वारा 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए हमलों के एक दिन बाद हुआ है, जिसमें करीब 100 आतंकवादी मारे गए थे। ये हमले पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए थे, जिसमें आतंकवादियों ने धार्मिक आधार पर 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे।

तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की मांग वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने का निर्देश देने के लिए दायर की गई याचिका को खारिज कर दी। इसमें त्रि-भाषा सूत्र भी शामिल था।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि कोर्ट, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत, किसी भी राज्य को ह्श्वक्क अपनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। मतलब सुप्रीम कोर्ट किसी राज्य को यह नहीं कह सकता कि उसे ह्श्वक्क को लागू करना ही होगा। लाइव लॉ के मुताबिक कोर्ट ने जी.एस. मणि द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा, यह एक मुश्किल सवाल है कि राज्यों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अपनाना चाहिए या नहीं।

देश का हर नागरिक सेना के साथ खड़ा हो: वरुण गांधी

भारत-पाक तनाव के बीच भाजपा नेता की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश स्थित पीलीभीत से पूर्व सांसद और बीजेपी के नेता वरुण गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव पर पहली प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए एक ओर जहां लोगों से अपील की है कि सभी भारतीय सेना के साथ खड़े हों तो वहीं दूसरी ओर बीजेपी नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की लीडरशिप पर गर्व जताया। पूर्व सांसद ने लिखा- इन चुनौतीपूर्ण क्षणों में देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह हमारी सेना के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहे। यह मात्र एक युद्ध नहीं, दो विचारधाराओं का टकराव है और पूरी दुनिया इसकी साक्षी है। एक ओर भारत है, जो मानवता, शांति और लोकतंत्र का प्रहरी है, दूसरी ओर पाकिस्तान, जो कट्टरता, अस्थिरता और आतंक का प्रतीक बन चुका है।

देश में आंतरिक सुरक्षा को लेकर बैठकों का दौर शुरू

गृहमंत्री ने की सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक, स्वास्थ्य सुविधाओं की जेपी नड्डा ने भी की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान से लगती सीमा और हवाई अड्डों पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए बीएसएफ, सीआईएसएफ एवं बीसीएएस के महानिदेशकों, गृह सचिव और आईबी के निदेशक के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूरी जानकारी दी। कंट्रोल सेंटर से पूरी निगरानी की जा रही है। बैठक में देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई।

रक्षा मंत्री ने की राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ शुक्रवार को बैठक कर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की। यह समीक्षा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल किए जाने के एक दिन बाद की गयी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा संबंधी बदलते हालात से जुड़े हर पहलू पर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी शामिल हुए।

दिल्ली-एनसीआर के स्कूल हुए बंद

भारत और पाकिस्तान के बीच बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है। बॉर्डर पर हो रही बमबारी के बीच देश के अन्य शहरों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इसी बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार नौ मई को कई स्कूल कैंपस बंद कर दिए गए है। स्कूल बंद होने पर अब लास ऑनलाइन ली जाएगी। वहीं आपातकाल की तैयारी करने के लिए भी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। वहीं नियमित कक्षाओं को भी जारी रखने के लिए अब ऑनलाइन मोड पर स्कूल शिट होंगे। बता दें कि दिल्ली-एनसीआर के निजी स्कूलों ने गुरुवार को भारतीय शहरों में सैन्य सुविधाओं पर हमला करने के पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के प्रयास के बाद भारत द्वारा जवाबी कार्रवाई शुरू करने की पृष्ठभूमि में कई तरह की प्रतिक्रियाएं अपनाई हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।